लखनऊ, शनिवार, 17 अप्रैल, 2021, वर्ष - 12, अंक - 183, पृष्ठ - 12, मूल्य ₹ 3.00/- www.janexpresslive.com/epaper /janexpresslive लखनऊ तथा देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन एक्सप्रेस

हिन्दू नव वर्ष

शुभकामनाएं

आम के बागवानों के लिए जारी की गई एडवाइजरी

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। आम के बागों को अप्रैल महीने में विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है यदि इसका प्रबंधन सही प्रकार किया जाए तो इससे अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है यह बात सीएसएयू के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ.अनिल कुमार सिंह ने आम के बागवानो के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए कही। उन्होंने कहा कि इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं। इस समय इनमें होने वाले भुनगा कीट की समस्या से बचाव के लिए थाईमैंथकजाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए तथा आम की टहनियों, बौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसने वाले सफेद रंग के स्केल कीट की रोकथाम के लिए डाईमेंथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरो पर छिड़काव करना चाहिए।

उन्होंने बताया कि बागों में नमी वाले क्षेत्रों में सिंचाई प्रबंधन के लिए फलों की तुड़ाई तक सिंचाई करने के साथ ही आम के फलों के झड़ने की समस्या आने पर प्लानओफिक्स 4.5 फीसदी की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। डॉ. खलील खान ने बागवानो से आम के बागों में कार्य करते समय मुंह पर मास्क लगाने, सामाजिक दूरी बनाए रखने तथा सरकार द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने की अपील की।

एक नजर में

किसानों को दी गई सलाह

कानपुर : सीएसए विवि के प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने आम की बागवानी पर किसानों को सलाह जारी की। कहा, आम की फसल का प्रबंधन यदि उचित ढंग से किया जाए तो अच्छी आमदनी मिलेगी। भुनगा कीट को रोकने के लिए थाईमैंथकजाम 25 डब्ल्यू जी की एक ग्राम मात्रा को तीन लीटर पानी में घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए। जासं

राष्ट्रीय स्वरूप 17/04/2021

सीएसए के वैज्ञानिक ने आम के बागवान हेतु जारी की एडवाइजरी

कानपुर सीएसए के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने आम के बागवान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी कर कहा है कि माह अप्रैल में आम के बागों को विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है।डॉ. सिंह ने कहा कि आम की फसल का प्रबंधन यदि उचित ढंग से किया जाए तो इससे अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है डॉ. सिंह ने कहा कि इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं इस समय भुनगा कीट की समस्या होती है इसकी रोकथाम के लिए थाईमेथोक्जाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम में स्केल कीट भी लगता है जो टहनियों, बौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद रंग का होता है इसके नियंत्रण हेतु डाईमेथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरो पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है इसको रोकथाम के लिए हेक्सा आकोनाजोल 50 एस की 1 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देने से इसका नियंत्रण हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग भी देखा गया है बागवान भाई इस रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेंडाजिम 50 डब्ल्यू की 1 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करना चाहिए। सिंचाई प्रबंधन के लिए डॉक्टर सिंह ने बताया कि जिन क्षेत्रों के बागों में नमी की कमी हो तो फलों की तुड़ाई तक आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहना चाहिए। तथा आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर आ रही हो तो बागवान भाई प्लानऑफिक्स 4.5ल की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करने से आम के

झड़ने की समस्या दूर हो जाती है डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि हेतु घुलनशील उर्वरक 19- 19- 19 के 5 ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण को 5 ग्राम को प्रति लीटर पानी कि दर से घोल कर छिड़काव लाभ प्रद होगा।मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बागवान भाइयों से अपील की है कि आम के बागों में कार्य करते समय मुंह पर मास्क लगाएं व सामाजिक दूरी अवश्य बनाए रखें तथा सरकार द्वारा जारी निर्देशों का पालन अवश्य करें।

आज
कानपुर
17 अप्रैल 2021 4

आम के बागवान को भुनगा कीट से बचायें किसान

❑ आम के टहनियों, बौरों एवं फलों में चिपककर रस चूसता है स्केल कीट

कानपुर, 16 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ अनिल कुमार सिंह ने आम के बागवान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए कहाकि अप्रैल में आम के बागों की विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है। आम की फसल का प्रबंधन यदि उचित ढंग से किया जाए तो इससे अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। डा सिंह ने कहा कि इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं इस समय भुनगा कीट की समस्या होती है इसकी रोकथाम के लिए थाईमैंथकजाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम में स्केल कीट भी लगता है जो टहनियों, बौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद रंग का होता है इसके नियंत्रण हेतु डाईमेंथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरो पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है इसकी रोकथाम के लिए हेक्सआकोनाजोल 50 स्रुकी 1 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देने से इसका नियंत्रण हो जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि जिन क्षेत्रों के बागों में नमी की कमी हो तो फलों की तूड़ाई तक आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहना चाहिए। तथा आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर आ रही हो तो बागवान भाई प्लानऑफिक्स 4.5त्न की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी के दर से छिड़काव करने से आम के झड़ने की समस्या दूर हो जाती है। डा. अनिल कुमार सिंह ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि हेतु घुलनशील उर्वरक 19-19-19 के 5 ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण की 5 ग्राम को प्रति लीटर पानी कि दर से घोल कर छिड़काव लाभ प्रद होगा। मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील .खान ने बागवान भाइयों से अपील की है कि आम के बागों में कार्य करते समय मुंह पर मास्क लगाएं व सामाजिक दूरी अवश्य बनाए रखें तथा सरकार द्वारा जारी निर्देशों का पालन अवश्य करें।

kanpur.amarujala.com
कानपुर • शनिवार • 17.04.2021 06
अमर उजाला

आम के पेड़ों को रोगों से बचाएं, दवा डालें

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने शुक्रवार को आम के बागवानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि अप्रैल माह में आम के पेड़ों में भुनगा कीट की समस्या होती है।

रोकथाम के लिए थाईमैंथकजाम 25 डब्ल्यू जी की एक ग्राम मात्रा को प्रति तीन लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पेड़ों पर छिड़काव करना चाहिए। सफेद रंग का स्केल कीट टहनियों, बौरों एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है। इसको रोकने के लिए डाईमेंथोएट 30 ईसी की दो मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरों पर छिड़काव करना चाहिए। खर्रा और एंथ्रेकनोज रोग के प्रति भी किसान सचेत रहें। डॉ. सिंह ने बताया कि बागों में नमी कम है तो फल तोड़ने तक सिंचाई जरूरत करते रहे। आम के बौर-फल गिर रहे हों तो प्लानऑफिक्स 4.5% की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। (संवाद)

111 (1).pdf - Read-only

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 6, अंक : 16 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, शनिवार
17 अप्रैल, 2021
मूल्य ₹ 2.00

www.shashwattimes.com

आम के बागवान किसानों के लिए एडवाइजरी जारी

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने आम के बागवान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी कर कहा है कि माह अप्रैल में आम के बागों की विशेष रूप से देखभाल की आवश्यकता होती है।डॉक्टर सिंह ने कहा कि आम की फसल का प्रबंधन यदि उचित ढंग से किया जाए तो इससे अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं इस समय भुनगा कीट की समस्या होती है इसकी रोकथाम के लिए थाईमैंथकजाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए.इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम में

स्केल कीट भी लगता है जो टहनियों, बौरो एवं फलों में चिपक कर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद रंग का होता है इसके नियंत्रण हेतु डाईमेंथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरो पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है इसकी रोकथाम के लिए हेक्सआकोनाजोल 50 स्रु की 1 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देने से इसका नियंत्रण हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग भी देखा गया है बागवान भाई इस रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेंडाजिम 50 WP की 1 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करना चाहिए। सिंचाई प्रबंधन के लिए डॉक्टर सिंह ने बताया कि जिन क्षेत्रों के बागों में नमी की कमी हो तो फलों की तुड़ाई तक आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहना चाहिए। तथा आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर आ रही हो तो बागवान भाई प्लानओंफिक्स 4.5 प्रतिशत की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करने से आम के झड़ने की समस्या दूर हो जाती है डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने कहा कि आम के फलों की अच्छी वृद्धि हेतु घुलनशील उर्वरक 19- 19- 19 के 5 ग्राम और सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण की 5 ग्राम को प्रति लीटर पानी कि दर से घोल कर छिड़काव लाभ प्रद होगा।

यूपी-कैटेट में 30 अप्रैल तक करें आवेदन

प्रदेश के कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा यूपी कैटेट (उप्र संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा) 2021 में आवेदन की तिथि बढ़ाई गई है। छात्र 15 अप्रैल के बजाए 30 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। वहीं फीस जमा करने की तिथि 16 अप्रैल के स्थान पर एक मई कर दी गई है। आवेदन पत्र संशोधन की तिथि 17 से 20 अप्रैल के बजाए 3 से 5 मई तक कर दी गई है। सीएसए के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि इस बार यूपी-कैटेट को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि मेरठ करा रहा है। परीक्षा की प्रस्तावित तिथि 16 और 17 जून में भी परिवर्तन हो सकता है।

'आम के बागों की देखभाल से हो सकती है अच्छी आमदनी'

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर ने आम की खेती के लिये किसानों को एक एडवाइजरी जारी की है, जिसके अनुपालन से किसान बेहतर पैदावार कर सकते हैं और फसल को रोगों व कीटों से बचाकर अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

कुलपति डॉ. डीआर सिंह के निर्देश पर प्रसार निदेशालय के उद्यान वैज्ञानिक डॉ.अनिल कुमार सिंह ने कहा कि अप्रैल में आम के बागों की विशेष रूप से देखभाल की जरूरत होती है। आम की फसल के उचित प्रबंधन से अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। इस समय आम के पेड़ों पर मटर के दानों से भी बड़े फल बन चुके हैं। इस समय भुनगा कीट की समस्या होती है। इसकी रोकथाम के लिए थाईमैथकजाम 25 डब्ल्यू जी की 1 ग्राम मात्रा को प्रति 3 लीटर पानी के हिसाब से घोलकर पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

सीएसए प्रसार निदेशालय ने जारी की आम की फसल को बेहतर बनाने की एडवाइजरी

इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आम में स्केल कीट भी लगता है जो टहनियों, बौरों एवं फलों में चिपककर रस चूसता है तथा यह कीट सफेद रंग का होता है। इसके नियंत्रण हेतु डाईमैथोएट 30 ईसी की 2 मिलीलीटर मात्रा प्रतिलीटर पानी में घोलकर पत्तियों, शाखाओं और बौरों पर छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय आम की फसल में खर्रा रोग भी आता है। इसकी रोकथाम के लिए हेक्सआकोनाजोल 50 की 1 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर देने से इसका नियंत्रण हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि आम की फसल में एंथ्रेकनोज रोग भी देखा गया है। इस रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेंडाजिम 50 की 1 ग्राम मात्रा प्रतिलीटर पानी के हिसाब से घोलकर छिड़काव करना चाहिए।

सिंचाई प्रबंधन के लिए डॉ.सिंह ने बताया कि जिन क्षेत्रों के बागों में नमी की कमी हो तो फलों की तुड़ाई तक आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहना चाहिए। आम के फलों के झड़ने की समस्या अगर आ रही हो तो प्लानओफिक्स 4.5 प्रतिशत की 0.5 मिलीलीटर मात्रा प्रतिलीटर पानी की दर से छिड़काव यह समस्या दूर हो जाती है।

कानपुर । शनिवार • 17 अप्रैल • 2021

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.c

यूपीकैटेट-2021 की फीस 1 मई तक जमा करें

कानपुर। कोविड-19 का प्रकोप बढ़ जाने के फलस्वरूप प्रदेश के विभिन्न शहरों में बाधित कार्यकलापों के कारण अभ्यार्थियों को निर्धारित समय तक उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा 2021 (यूपीकैटेट-2021) के आवेदन करने में असुविधा एवं कठिनाइयों के चलते सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय मेरठ द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा-2021, फीस जमा करने की तिथि 16 अप्रैल के स्थान पर 1 मई तथा आवेदन पत्र संशोधन की तिथि 17 अप्रैल से 20 अप्रैल से बढ़ाकर 3 से 5 मई तक कर दी गई है। पूर्व में निर्धारित परीक्षा तिथियों 16 व 17 जून में भी भविष्य में परिवर्तन संभावित है। उक्त जानकारी कुलसचिव बीआर सिंह ने दी।

दैनिक जागरण
कानपुर, 17 अप्रैल, 2021

एक नजर में

प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करने की तिथि बढ़ी

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय समेत प्रदेश के अन्य कृषि विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए होने वाली उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि प्रवेश परीक्षा के फॉर्म भरने की तारीख बढ़ा दी गई है। पहले ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तारीख 15 अप्रैल थी जिसे बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दिया गया है। प्रवेश परीक्षा की पूर्व निर्धारित तारीख 16 व 17 जून भी बढ़ने की संभावना है। जासं

आज
कानपुर
17 अप्रैल, 2021

यूपी कैटेट के ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ी

कानपुर, 16 अप्रैल। कोविंड-19 के पुन संक्रमण के प्रकोप के बढ़ जाने के फलस्वरूप प्रदेश के विभिन्न प्रदेशों में बाधित कार्यकलापों के कारण अभ्यार्थियों को निर्धारित समय तक उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा-2021 (यूपी कैटेट-2021) आवेदन करने में काफी असुविधा एवं कठिनाइयों के फलस्वरूप उत्पन्न स्थिति के दृ ष्टिगत सरदार वल्लब भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय मेरठ द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा 2021 हेतु आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 अप्रैल से बढ़ाकर 30 अप्रैल 2021, फीस जमा करने की तिथि 16 अप्रैल से बढ़ाकर एक मई 2021 कर दी गयी है। आवेदन पत्र संशोधन की तिथि 17 से 20 अप्रैल 2021 से बढ़ा कर 3 से 5 मई 2021 तक कर दी गयी है।